>

Title: Need to review the National Disaster Management Policy with a view to include cold wave, frost and hailstorms within the purview of natural calamities.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहूंगा कि राजस्थान में पिछले दिनों शीत लहर, ओले, आंधी और तूफान के कारण करोड़ों रुपयों की फसल बर्बाद हो गई।

अध्यक्ष महोदय : आप थोड़े धीरज से बोलिए, तभी अच्छी तरह से समझ में आएगा।

प्रो. रासा सिंह रावत : मान्यवर, राजस्थान में कड़ाके की ठंड, शीत लहर और असामयिक वर्षा के कारण फसलों की बहुत बर्बादी हुई है। सीआरएफ के जो सिद्धांत हैं, एनसीसीएफ के 12वें कमीशन में जो नारम्स बनाए हैं, उसके अंदर शीत लहर, पाले आदि का कोई प्रावधान नहीं है। किसानों को फसलों की बर्बादी का कोई मुआवजा नहीं मिला है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि वह नियमों में संशोधन करे और सीआरएफ और एनसीसीएफ में प्रावधान किया जाए, जिससे कि राजस्थान के किसानों को राहत मिल सके और उन्हें मुआवजा मिल सके।

अध्यक्ष महोदय : आपने अच्छा इश्यू उठाया है।

SHRI DUSHYANT SINGH (JHALAWAR): Sir, I associate with Prof. Rasa Singh Rawat on this issue.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रो. रासा सिंह रावत द्वारा उठाए गए विषय से एसोशिएट करता हूं।

श्रीमती किरण माहेश्वरी (उदयपुर): महोदय, मैं भी अपने को इस विषय से संबद्ध करती हूं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Everybody associates. Now, Shri Bellarmin.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैंने 15 माननीय सदस्यों को बोलने का मौका दे दिया है। No more issues now. Either you have to wait till the end of the day or you have to take your chance tomorrow. That will depend on the hon. Presiding Officer.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : What is the method of raising issues, Sir?

MR. SPEAKER: You have to depend, right or wrong, on the Presiding Officer. Sorry, not today. We had all unanimously agreed to allow five issues. कितनी अच्छी तरह से हाउस चल रहा है। आपके सहयोग से सात प्रश्न हो गए हैं।